भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- †556

उत्तर देने की तारीख- 06/02/2023

जनजातीय अनुसंधान संस्थान

†556. श्री इंद्रा हांग सुब्बाः

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) के अंतर्गत सिक्किम को विगत पांच वर्षों के दौरान आबंटित निधि का ब्यौरा क्या है;

(ख) गत पांच वर्षों के दौरान सिक्किम में टीआरआई द्वारा दिए गए प्रशिक्षण का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा उत्तर-पूर्वी राज्यों, विशेषकर सिक्किम में स्वदेशी शिल्प और वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए क्या पहल की गई है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री
(श्रीमती रेणुका सिंह सरुता)

(क): जनजातीय कार्य मंत्रालय "जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सहायता" की केंद्र प्रायोजित योजना के माध्यम से राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को निष्पादन अनुसंधान कार्यक्रमों सहित राज्य जनजातीय अनुसंधान संस्थानों द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। इस योजना का मूल उद्देश्य जनजातीय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) और उनकी बुनियादी जरूरतों, अनुसंधान और प्रलेखन गतिविधियों और प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण कार्यक्रमों आदि को सुदृढ़ करना है। उक्त योजना के अंतर्गत जनजातीय कार्य मंत्रालय 25 राज्यों और 2 संघ राज्यक्षेत्रों में 27 जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को वित्तपोषित कर रहा है। पिछले पांच वर्षों के दौरान टीआरआई को समर्थन के तहत सिक्किम राज्य सरकार को जारी की गई निधियों का विवरण **अनुलग्नक- I** पर है।

(ख) तथा (ग): (i) जनजातीय कार्य मंत्रालय और ट्राइफेड की पहलें: राज्य टीआरआई अपने राज्यों में प्रशिक्षण लेते हैं। सिक्किम में टीआरआई द्वारा किए गए प्रशिक्षण का विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है। जनजातीय कार्य मंत्रालय प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन के माध्यम से भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राइफेड) को जनजातीय उत्पादों की खरीद और खुदरा दुकानों के माध्यम से बिक्री की सुविधा के माध्यम से व साथ ही विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, साथ ही प्रदर्शनियों, मेलों, महोत्सवों, सप्लायर मीट आदि का आयोजन करके जनजातीय संग्रहकर्ताओं और कारीगरों को विपणन सहायता प्रदान करने के

लिए निधियां प्रदान करता है। ट्राइफेड ने जनजातीय शिल्प और उत्पादों के विकास में तेजी लाने के लिए व्यक्तिगत जनजातीय कारीगरों, जनजातीय स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), संगठनों/एजेंसियों/ जनजातियों के साथ काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों आदि को शामिल करते हुए जनजातीय उत्पादों के आपूर्तिकर्ताओं को सूचीबद्ध किया है। Tribesindia.comएक ई-कॉमर्स पोर्टल है जिसके माध्यम से ट्राइफेड अपने 14 क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से भारत के जनजातियों द्वारा बनाए गए उत्पादों का प्रचार और बिक्री करता है। इसके अलावा, ट्राइफेड के क्षेत्रीय कार्यालयों के खाते अमेज़न, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील आदि जैसे प्रमुख तृतीय पक्ष बाज़ारों में हैं। ये गतिविधियाँ सिक्किम सहित पूरे देश में की जाती हैं। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से जनजातीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विपणन और रसद विकास की योजना को 2021-22 के दौरान मंजूरी दी गई है, जिसका उद्देश्य जनजातीय उत्पादों की खरीद, रसद और विपणन में दक्षता बढ़ाकर जनजातीय कारीगरों के लिए आजीविका के अवसरों को सुदृढ़ करना है। यह योजना विशेष रूप से सिक्किम सहित उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए तैयार की गई है।

(ii) उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय द्वारा की गई पहलें **अनुलग्नक-III** पर हैं।

(iii) हस्तशिल्प और हथकरघा निदेशालय, सिक्किम सरकार ने स्वदेशी शिल्प को बढ़ावा देने के लिए सिक्किम के सभी छह जिलों में स्थानीय युवाओं के लिए विभिन्न कला और शिल्प के संबंध में शाखा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए हैं। हमारे हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री के लिए गंगटोक और नई दिल्ली में बिक्री एम्पोरियम और राज्य के विभिन्न स्थानों में छोटे आउटलेट हैं।

अनुलग्नक-I

दिनांक 06.02.2023 को पूछे जाने वाले लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या †556 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक ।

'टीआरआई को सहायता' योजना के तहत जारी निधियों का विवरण

लाख रूपए में

क्र.सं.	**राज्य**	**निर्मुक्त निधियां**				
		2017-18	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
1	सिक्किम	136.00	194.50	82.50	144.00	273.3

अनुलग्नक-II

दिनांक 06.02.2023 को पूछे जाने वाले लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या †556 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक।

वित्तीय वर्ष	**प्रशिक्षण का विवरण**
2018-2019	1. एफआरए, 2006 के कार्यान्वयन पर राज्य के बाहर टीआरआई अधिकारियों का प्रशिक्षण। 2. एफआरए, 2006 पर जिला अधिकारियों को प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण। 3. स्थानीय भाषा में एफआरए, 2006 पर प्रशिक्षण मॉड्यूल और साहित्य का विकास। 4. राज्य की सभी पंचायतों को एफआरए के बारे में जागरुकता। 5. लेप्चा जनजातीय लोक नाट्य-नाटक पर सप्ताह भर चलने वाला क्षमता निर्माण कार्यक्रम। 6. जनजातीय कारीगरों के मूल्य संवर्धन और बाजार लिंकेज या उत्पादों पर एक दिवसीय संगोष्ठी 7. पेटेंट पंजीकरण या भौगोलिक संकेत या बार-कोडिंग या पैकेजिंग पर जागरूकता सहित लेप्चा टोपी बुनाई (डाइंग आर्ट) का क्षमता निर्माण-प्रशिक्षण।
2019-2020	सिक्किम में जनजातीय भाषाओं के शिक्षण और सीखने पर भूटिया, लेप्चा, लिंबू, तमांग और शेरपा भाषा के शिक्षकों के लिए सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला।
2020-2021	1. उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम सिक्किम में आजीविका के लिए 10.00 लाख रुपये की दर से प्रति जिला बेंत और बांस शिल्प बनाने की लेप्चा कला को बढ़ावा देना। 2. तमांग जनजातीय अनुष्ठान विशेषज्ञ के लिए वेशभूषा के साथ थंका पेंटिंग, लकड़ी की नक्काशी और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की तमांग जनजातीय कला को बढ़ावा देना। 3. पारंपरिक ड्रम (चायब्रंग) बनाने सहित लिम्बू जनजाति की पोशाक संस्कृति और पारंपरिक परिधानों के विकास के लिए हथकरघे से पारंपरिक कपड़ों की बुनाई को बढ़ावा देना।

अनुलग्नक-III

दिनांक 06.02.2023 को लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या †556 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

पूर्वोत्तर हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड (एनईएचएचडीसी) पूर्वोत्तर विकास मंत्रालय के तत्वावधान के तहत सीपीएसई है। संगठन पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में कारीगरों और बुनकरों के लिए सहायता प्रदान करता है।

पूर्वोत्तर हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड (एनईएचएचडीसी) शिल्पकारों को संभावित बाजारों और उपभोक्ताओं से जोड़कर और उपभोक्ताओं के लिए सांस्कृतिक मूल्य जोड़ते हुए निर्माताओं के लिए आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक अवसर पैदा करके क्षेत्र के स्वदेशी शिल्प को बढ़ावा देते हुए पूर्वोत्तर के स्वदेशी समुदायों की संस्कृति और परंपराओं का उत्थान कर रहा है।

(क) पूर्वोत्तर हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड ने पूर्वोत्तर राज्यों के कई उद्यमियों के साथ (i) नई दिल्ली, कोलकाता, गुवाहाटी, केवड़िया (गुजरात) में एनईएचएचडीसी के अपने श्रृंखला एम्पोरियम (ii) एनईएचएचडीसी का अपना ई-कॉमर्स पोर्टल https://purbashree.com/, (iii) अमेज़न, फ्लिपकार्ट, गो कूप और जीईएम जैसे विभिन्न प्लेटफार्मों में उन उद्यमियों के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

(ख) एनईएचएचडीसी पूर्वोत्तर कलाकृति 2022 द्वारा आयोजित किया गया था, जो एक नि:शुल्क मंच है जहां एनईएचएचडीसी पूर्वोत्तर भारत के कारीगरों को सीधे शहरी ग्राहकों से मिलने की पेशकश कर रहा है। कारीगरों को शहरी रूझानों को समझने के लिए और दूसरी ओर ग्राहकों को एक कारीगर की जीवन शैली को समझने के लिए नेतृत्व कर रहा है।

(ग) सूरजकुंड मेला के इतिहास में पहली बार, एनईएचएचडीसी 03 से 19 फरवरी, 2023 तक 36वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले में भाग लेने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र से सबसे अधिक कारीगरों को जुटाना है।

घ) एनईएचएचडीसी ने "पूरबश्री ऑन व्हील्स" नामक दो सचल शोरूम शुरू किए हैं जो पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) के कारीगर समूहों, एसएचजी, उद्यमियों को आवश्यक बाजार लिंकेज प्रदान करते हैं।

(ङ) एनईएचएचडीसी पूर्वोत्तर क्षेत्र के हस्तशिल्प और हथकरघा कारीगरों और बुनकरों के लिए बाजार लिंकेज की सुविधा के लिए 7.6 करोड़ रूपये से पूर्वोत्तर (अष्टलक्ष्मी) हाट और अनुभव केंद्र की स्थापना कर रहा है। प्रस्तावित हाट में सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों को प्रत्येक नृजातीय व्यंजनों के साथ-साथ हस्तशिल्प और हथकरघा वस्तुओं के प्रदर्शन और विपणन के लिए 03 स्टॉल प्रदान किए जाएंगे। परियोजना को पूर्वोत्तर परिषद, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय से प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई है।

<u>स्किलिंग और अप-स्किलिंग:-</u>

क. एनईएचएचडीसी को निम्नलिखित के रूप में पंजीकृत / मान्यता प्राप्त है:

I. कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (एनएसडीसी) के साथ प्रशिक्षण भागीदार (टीपी)

II. एनईएचएचडीसी को एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय एससी-एसटी हब योजना के तहत एकीकृत कौशल दृष्टिकोण के लिए कौशल केन्द्र के रूप में मान्यता दी गई है।

III. एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उनकी स्फूर्ति योजना के तहत परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए 'नोडल एजेंसी' के रूप में नामित।

IV. हस्तशिल्प और कालीन (कार्पेट) क्षेत्र कौशल परिषद द्वारा उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामांकित।

ख. एनईएचएचडीसी पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के युवाओं के बीच स्वरोजगार और आजीविका सहायता के लिए विभिन्न स्किलिंग और अपस्किलिंग पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है, जो एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय एससी-एसटी हब द्वारा प्रायोजित है। एनईएचएचडीसी को एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय एससी-एसटी हब योजना के तहत 2.25 करोड़ रुपये की वित्तीय लागत की तुलना में पूर्वोत्तर क्षेत्र के 1200 एससी और एसटी युवाओं के स्किलिंग और अप-स्किलिंग का लक्ष्य दिया गया है। अब तक नागालैंड, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा के 1050 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के युवा टूर गाइड पाठ्यक्रम, टू शाफ्ट हैंडलूम वीवर, फील्ड टेक्निशियन कंप्यूटिंग और पेरिफेरल्स, सेल्फ एम्प्लॉयड टेलर, टैक्सी ड्राइवर, जैक्वार्ड बुनकर-हथकरघा और बांस उपयोगिता हस्तशिल्प असेंबलर आदि जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम कर रहे हैं। ।

ग. एनईएचएचडीसी को समर्थ के तहत प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में नामित किया गया है।

<u>बाजार आसूचना</u>

क) एनईएचएचडीसी और एनआईएफटी ने "विज़नएक्सटी" कार्यक्रम के लिए सहयोग किया है जहाँ कृत्रिम आसूचना (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), ट्रेंड स्पॉटर्स, कार्यशालाएं, बाजार आसूचना का उपयोग पूर्वानुमान रूझान के लिए किया जाएगा। विजनएक्सटी वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सक्षम ट्रेंड्स इनसाइट एंड फैशन फोरकास्टिंग लैब है।

ख) 9 अक्टूबर 2022 को, एनईसी की 70वीं योजना (प्लेनरी) के दौरान, माननीय केंद्रीय गृह मंत्री और एनईसी अध्यक्ष श्री अमित शाह ने श्री जी किशन रेड्डी माननीय मंत्री पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग, उपाध्यक्ष, एनईसी की उपस्थिति में पूर्वोत्तर भारत के कारीगरों और बुनकरों को समर्पित एनईएचएचडीसी के मोबाइल एप्लिकेशन का शुभारंभ किया। इस ऐप में कारीगर अपने उत्पादों को सीधे ऐप पर अपलोड कर सकते हैं। ऐप कारीगरों के बेहतर प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों से भी सुसज्जित है।

ऐप का समाचार खण्ड कारीगरों को प्रासंगिक जानकारी से अपडेट रखेगा। अब तक पूर्वोत्तर राज्यों के लगभग 230 कारीगर मोबाइल ऐप में पंजीकृत हैं।

ग) मशीन द्वारा नकली और बड़े पैमाने पर निर्मित उत्पाद वास्तविक हाथ से बुने हुए उत्पादों को बाजार से बाहर कर रहे हैं जिससे हथकरघा बुनकरों की मांग और कमाई कम हो रही है। एनईएचएचडीसी को 14.92 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के लिए "पूर्वोत्तर राज्यों के हथकरघा क्षेत्र में डिजिटलीकरण, प्रमाणीकरण और कार्यान्वयन ट्रेसबिलिटी के माध्यम से बाजार विकास" परियोजना के लिए एनईसी, पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग मंत्रालय से प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। परियोजना के तहत 10,000 हथकरघों को आईओटी उपकरणों के साथ डिजिटलीकृत किया जाएगा। इस परियोजना को लागू करने के माध्यम से, एनईएचएचडीसी का उद्देश्य हाथ से बुने उत्पादों को पहचान, प्रामाणिकता प्रदान करना है जो बाजार के विस्तार में मदद करेगा। यह परियोजना अवधि के अंत तक बुनकरों की कमाई में 15% और अगले पांच वर्षों में 30% की वृद्धि करेगा।

<u>कच्चे माल की उपलब्धता</u>

क) हथकरघा और हस्तशिल्प उद्योग का आधुनिकीकरण करने और उद्योग को विपणन सहायता प्रदान करने के लिए, एनईएचएचडीसी को एनईसी, पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग, मंत्रालय से एकीकृत कपड़ा पार्क, बक्सा (असम) में 14.92 करोड़ रूपये की परियोजना लागत के लिए एरी सिल्क स्पिनिंग मिल की स्थापना के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। एक बार पूरा हो जाने पर, यह प्रति वर्ष 170 मीट्रिक टन एरी रेशम के धागे का उत्पादन करने के लिए 270 मीट्रिक टन प्रति वर्ष एरी कोकून संसाधित करेगा । स्पिनिंग मिल का एनईएचएचडीसी का अनुमानित लाभ प्रति वर्ष 0.75 लाख रूपये होगा।

<u>अगले पांच वर्षों के लिए रोड मैप्स:-</u>

एनईएचएचडीसी ने क्षेत्र में हथकरघा और हस्तशिल्प उद्योग को प्रोत्साहित करने और प्रोत्साहन के लिए अगले पांच वर्षों हेतु निम्नलिखित रोड मैप तैयार किए हैं: -

1. समूह और कौशल विकास का कार्य शुरू करना
2. एरी कोकून और रॉ सिल्क बाजार
3. केले के रेशों के निष्कर्षण संयंत्र की स्थापना
4. एकीकृत हथकरघा निर्यात हब स्थापित करना
5. एनईएचएचडीसी पूर्वोत्तर भारत में हस्तशिल्प और हथकरघा के लिए एक प्रमुख विपणन एजेंसी होगी
6. एक क्षेत्रीय डिजिटल डिज़ाइन केंद्र की स्थापना
7. एक अनानास पत्ती फाइबर निष्कर्षण संयंत्र स्थापित करना
8. एनईएचएचडीसी बाजार अनुसंधान और परामर्श के लिए एक शीर्ष निकाय होगा
9. एनईआर में शिल्प पर्यटन को बढ़ावा देना और उसका विपणन करना

*****